

**असाइनमेंट -22**  
**कक्षा 9**  
**विषय – हिंदी पाठय सामग्री**  
( उपलब्धकर्ता: मिस सुजाता परमार)

**पाठ : दिए जल उठे (लेखक : मधुकर उपाध्याय)**  
[www.youtube.com/watch?v=s8PvIGNKYPY](http://www.youtube.com/watch?v=s8PvIGNKYPY)

**पाठ सार:**

दांडी कूच की तैयारी के सिलसिले में वल्लभभाई पटेल सात मार्च को रास पहुँचे थे। लोगों के आग्रह पर पटेल ने संक्षिप्त भाषण दिया। इसी बीच मजिस्ट्रेट ने निषेधाज्ञा लागू कर दी और पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया। यह गिरफ्तारी शिलिडी के आदेश पर हुई थी जिसे पटेल ने पिछले आंदोलन के समय अहमदाबाद से भगा दिया था। पटेल को बोरसद की आदलत में लाया गया। पटेल को 500 जुर्माने के साथ तीन महीने की जेल हुई। पटेल को अहमदाबाद से साबरमती जेल लाया गया। साबरमती आश्रम में गांधी को पटेल की गिरफ्तारी, सजा और उन्हें जेल ले जाने की सूचना मिली जिससे वे बहुत क्षुब्ध हुए।

बोरसद से जेल का रास्ता साबरमती आश्रम से होकर जाता था। सारे आश्रमवासी इन्तजार कर रहे थे। पटेल को गिरफ्तार करके ले जाने वाली मोटर रुकी और पटेल सबसे मिले। पटेल की गिरफ्तारी की देशभर में प्रतिक्रिया हुई। सबने जेल भेजने के सरकारी कदम की भर्त्सना की।

दांडी कुछ से पहले नेहरू गांधी जी से मिलना चाहते थे लेकिन गांधी जी ने उन्हें पत्र द्वारा बता दिया कि वह अपनी यात्रा को आगे नहीं बढ़ायेंगे। तय दिन गांधी जी नमक बनाने के लिए आश्रम से निकल पड़े। रास में उनका भव्य स्वागत हुआ। वहाँ के दरबारी लोग उनके साथ मिल गए। वहाँ उमड़े जनसभा में गांधी जी ने भाषण दिया और ब्रिटिश हुकूमत को खुली चुनौती दी। गांधी जी किसी राजघराने के इलाके से नहीं जाना चाहते थे। वे चाहते थे कि अपनी पूरी यात्रा ब्रिटिश हुकूमतवाली जमीन से ही करें लेकिन फिर भी उन्हें कुछ रास्ता बड़ौदा रियासत के बीच से तय करना पड़ा।

सत्याग्रही शाम छह बजे रास से चले और आठ बजे कनकापुरा पहुँचे। वहाँ की जनसभा को गांधीजी ने संबोधित करते हुए ब्रितानी कुशासन का जिक्र किया। संबोधन के बाद उस दिन की यात्रा समाप्त होनी थी परन्तु उसमे बदलाव किया गया। कनकापुरा से दांडी जाने के लिए मही नदी पर करनी थी तय हुआ कि नदी को आधी रात के समय समुद्र का पानी चढ़ने पर पार किया जाए ताकि कीचड़ और दलदल में कम-से-कम चलना पड़े। रात साढ़े दस बजे भोजन के बाद सत्याग्रही नदी की ओर चल पड़े। अँधेरी रात में गांधी जी लगभग चार किलोमीटर दलदली जमीन पर चले और नदी के तट पर एक कुटिया में आराम किया।

आधी रात को मही नदी का किनारा भरा था। कनकापुरा के लोगों के हाथ में दिए थे। तट के दूसरी ओर भी लोग दिए जलाकर खड़े थे। लोगों ने दिए द्वारा उस रात को जगमग रात बना दिया था। गांधीजी घुटने भर पानी में चलकर नाव पर चढ़े। महात्मा गांधी, सरदार पटेल और नेहरू की जय के नारे लगने लगे। महिसागर नदी का दूसरा तट भी कीचड़ और दलदली जमीन से भरा था। डेढ़ किलोमीटर कीचड़ और पानी में चलकर रात एक बजे उस पार पहुँचे और सीधे विश्राम करने चले गए। दोनों किनारों पर लोग रातभर दिए लेकर खड़े रहे चूँकि कई सत्याग्रहियों को नदी पार करनी थी।

## पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास

- प्रश्न 1. किस कारण से प्रेरित हो स्थानीय कलेक्टर ने पटेल को गिरफ्तार करने का आदेश दिया?
- प्रश्न 2. जज को पटेल की सज़ा के लिए आठ लाइन के फैसले को लिखने में डेढ़ घंटा क्यों लगा?
- प्रश्न 3. "मैं चलता हूँ! अब आपकी बारी है।" - यहाँ पटेल के कथन का आशय उधृत पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।
- प्रश्न 4. "इनसे आप लोग त्याग और हिम्मत सीखें"-गांधी जी ने यह किसके लिए और किस संदर्भ में कहा?
- प्रश्न 5. पाठ द्वारा यह कैसे सिद्ध होता है कि-कैसी भी कठिन परिस्थिति हो उसका सामना तात्कालिक सूझबूझ और आपसी मेलजोल से किया जा सकता है। अपने शब्दों में लिखिए।
- प्रश्न 6. महिसागर नदी के दोनों किनारों पर कैसा दृश्य उपस्थित था? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।
- प्रश्न 7. "यह धर्मयात्रा है। चलकर पूरी करूंगा"-गांधीजी के इस कथन द्वारा उनके किस चारित्रिक गुण का परिचय प्राप्त होता है?
- प्रश्न 8. गांधी को समझने वाले वरिष्ठ अधिकारी इस बात से सहमत नहीं थे कि गांधी कोई काम अचानक और चुपके से करेंगे। फिर भी उन्होंने किस डर से और क्या एहतियाती कदम उठाए?
- प्रश्न 9. गांधी जी के पार उतरने पर भी लोग नदी तट पर क्यों खड़े रहे?

## लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

- प्रश्न 1. गांधी जी और पटेल की मुलाकात आश्रम के सामने सड़क पर क्यों हुई?
- प्रश्न 2. रास में गांधी जी ने लोगों से सरकारी नौकरी के संबंध में क्या आह्वान किया?
- प्रश्न 3. नदी पार करने के लिए सत्याग्रहियों ने रात दस बजे के बाद का समय क्यों चुना?
- प्रश्न 4. रघुनाथ काका ने सत्याग्रहियों की मदद किस तरह की?
- प्रश्न 5. सरदार पटेल की गिरफ्तारी पर देश में क्या-क्या प्रतिक्रिया हुई ?
- प्रश्न 6. महिसागर के दूसरे तट की स्थिति कैसी थी? 'दिये जल उठे' पाठ के आधार पर लिखिए।
- प्रश्न 7. गांधी जी के प्रति ब्रिटिश हुक्मरान किस तरह की राय रखते थे?
- प्रश्न 8. कनकापुरा में गांधी जी की सभा के बाद आगे की यात्रा में परिवर्तन क्यों कर दिया गया?
- प्रश्न 9. महिसागर नदी का किनारा उस दिन अन्य दिनों से किस तरह भिन्न था? इस अद्भुत दृश्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
- प्रश्न 10. कनकापुरा की जनसभा में गांधी जी ने अंग्रेज़ सरकार के बारे में क्या कहा?

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं और किन मानवीय मूल्यों के कारण गांधी जी देशभर में लोकप्रिय हो गए थे?

प्रश्न 2. सरदार पटेल के चरित्र से आप किन-किन मूल्यों को अपनाना चाहेंगे?

प्रश्न 3. पटेल और गांधी जी जैसे नेताओं ने देश के लिए अपना चैन तक त्याग दिया था। आप अपने देश के लिए क्या करना चाहेंगे?

प्रश्न 4. नेहरू जी गांधी जी से कब मिलना चाहते थे? इस पर गांधी जी ने क्या कहा?

प्रश्न 5. रास की जनसभा में गांधी जी ने लोगों को किस तरह स्वतंत्रता के प्रति सचेत किया?

प्रश्न 6. रासे में गांधी जी को किस तरह स्वागत हुआ? उन्होंने रास में रहने वाले दरबारों का उदाहरण किस संदर्भ में दिया?

## रचनात्मक गतिविधि: नारा लेखन

1) दिल्ली में बढ़ते स्मॉग से बचने के लिए 2 पंक्तियों का नारा लिखें।

2) संवाद लेखन: 'दिये जल उठे' पाठ को पढ़ने के बाद आपके मन में स्वतंत्रता आंदोलन व स्वतंत्रता सेनानियों के लिए जो भी भाव आए उन्हें दो छात्रों के मध्य संवाद के रूप में लिखें। (10 वाक्य)